प्रेस विज्ञप्ति

05 जुलाई, 2016

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी ने आज प्रेस को निम्नलिखित बयान जारी किया :–

''मोदी सरकार का बहुप्रचारित और भारी भरकम मंत्रीमंडल विस्तार 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया' साबित हुआ।

1. मंत्रीमंडल विस्तार ने जहां शासन प्रणाली का घोर अवमूल्यन किया, वहां यह भी प्रतीत होता है कि भाजपा में प्रतिभा एवं तजुर्बे का अभाव है। टीम मोदी अब काम करने वाले गुणी व्यक्तियों की बजाए मात्र दरबारियों, चापलूसों व घ्रणा तथा बंटवारे का एजेंडा आगे बढ़ाने वाले व्यक्तियों का समूह बनकर रह गई है।

2. मोदी जी लगातार 'Minimum government, maximum governance' (सरकार छोटी, सुशासन अधिक) का नारा देते रहे हैं। देश के लोग जानना चाहते हैं कि 79 सदस्यों के भारी भरकम मंत्रीमंडल के मुखिया के तौर पर उनके मूलमंत्र का क्या हुआ?

3. मंत्रीमंडल विस्तार की कवायद केवल चुनावी लाभ और वोट बटोरने के एजेंडा को लेकर की गई है। यह उत्तरप्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश व राजस्थान में लगातार गिरते भाजपाई ग्राफ को बचाने की आखिरी कोशिश भी है। इसका लोगों की जिंदगी की बेहतरी से कोई सरोकार नहीं। इसमें मात्र चेहरे बढ़ाए गए हैं, सरकार की चाल, चरित्र और शासन की दिशा सुधारने से कोई वास्ता नहीं।

4. मंत्रीमंडल के पुर्नआंकलन की इस प्रक्रिया में न तो नाकारा और काम न करने वाले मंत्रियों की छुट्टी की गई और न ही किसी व्यक्ति को प्रोत्साहित किया गया। यह पूरी कवायद दूरदृष्टि के दिवालियेपन को दिखाती है।

   मंत्रीमंडल विस्तार में 'शासन के एजेंडा व जनसेवाओं की आपूर्ति' को लेकर कुछ नहीं दिखता। न तो इस विस्तार से अप्रत्याशित महंगाई पर रोक का कोई संदेश है, और न ही रोज गिरती अर्थव्यवस्था की बहाली के लिए कोई नया रास्ता। नए रोजगार पैदा करने से लेकर निजी और सरकारी क्षेत्र का निवेश बढ़ाने बारे मोदी जी की कोई दूरदृष्टि नजर नहीं आती।

5. विवादास्पद बयानों के जरिए समाज को बांटने, घ्रणा फैलाने और विफलताओं के नए आयाम बनाने वाले मंत्रियों के खिलाफ कोई कार्यवाही न करके प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने यह साबित कर दिया है कि इन सबको मोदी जी का सीधा संरक्षण प्राप्त है और वह उन्हीं के इशारे पर अपने विभाजनकारी और घृणित एजेंडा को आगे बढ़ा रहे हैं। यदि यह सच नहीं होता, तो मोदी जी श्रीमति स्मृति ईरानी,

साध्वी निरंजन ज्योति, जनरल वीके सिंह, गिरिराज सिंह, संदीप वालायाण, महेश शर्मा व आधा दर्जन से अधिक मंत्रियों पर अवश्य कार्यवाही करते। यह दिखाता है कि मोदी जी की कथनी और करनी में कितना अंतर है।

6. कुल मिलाकर पूरा मत्रीमंडल विस्तार 'मोदी स्तुति का व्याख्यान' (I, Me, Myself) की लीपापोती बन कर रह गया है। वैसे भी मोदी जी की एकछत्र शासन प्रणाली में मंत्रिमंडल केवल विफलताओं का ठीकरा ओढ़ने के लिए है, जबकि खोखली उपलब्धियां मात्र मोदी जी के खाते में जाती हैं।